Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 49, बुधवार, 14 मार्च 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिसः- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

मंडुवाडीह रेल क्रासिंग बंद करने का विरोध, रोकी ट्रेन

वाराणसी। मंडुवाडीह ओवरब्रिज के लोकार्पण के बाद मंडुवाडीह रेल क्रासिंग को बंद करने जब रेलवे कर्मचारी पहुंचे तो इसकी सूचना स्थानीय नागरिकों को लगी, जिसके बाद सैकड़ों की संख्या में लोगों ने रेलवे ट्रैक पर बैठकर प्रदर्शन करने लगे। कल ही पीएम मोदी ने इस ओवरब्रिज का लोकार्पण किया था। अभी तक प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रैक पर जुटे लोगों के कारण विभूति एक्सप्रेस और इलाहाबाद-मऊ डीएमयू ट्रैक पर ही खड़ी रहीं। अधिकारियों और प्रशासन के आला अफसरों के काफी मान मनौव्वल के बाद रेलवे ट्रैक पर जुटे लोग शांत हुए। आरपीएफ और जीआरपी के जवानों ने मोर्चा संभाले रखा।

दो झपटमार दबोचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेब सराय थाना पुलिस ने दो झपटमारों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की शिनाख्त आदित्य यादव और मुकुल वर्मा के तौर पर हुई है। पुलिस के मुताबिक पांच मार्च को बुजुर्ग महिला से झपटमारी की सूचना मिली थी। इसके बाद एसएचओ कुलदीप सिंह की देखरेख में आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई। जांच के दौरान पुलिस को आरोपियों के सीसीटीवी फुटेज मिले। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों की फुटेज क्षेत्र में ''आई एंड इयर' स्कीम से जुड़े लोगों को दिखाई। इसी दौरान एक आरोपी की शिनाख्त आदित्य के तौर पर हुई। बाद में पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने दूसरे आरोपी मुकुल को भी गिरफ्तार आरोपियों से लूटी गई सोने की चेन और 35 हजार रु पए भी बरामत कर लिए।

युवती की शिकायत पर उबर चालक बंदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उत्तर पश्चिमी थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात पुलिस ने एक उबर कैब चालक संजीव को गिरफ्तार कर उससे एक सफेद स्विफ्ट कार बरामद की है। आरोपी की पहचान गांधी नगर, गन्नौर हरियाणा निवासी संजीव उर्फ सोनू के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार को सीमा (बदला हुआ नाम) ने कुंडली, हरियाणा से अपने घर रोहिणी के लिए उबर कैब बुक की थी। रास्ते में सफर के दौरान युवती ने गौर किया कि कैब की नम्बर प्लेट पीले रंग के बजाए सफेद रंग की है और गाड़ी का शीशा भी काला है। ध्यान से देखने पर उसने पाया कि चालक वह व्यक्ति नहीं है जिसका फोटो उनके फोन पर कैब बुक करते समय आया था। युवती ने देखा कि चालक तय रूट के बदले गाड़ी दूसरे रूट से ले जा रहा है। लालबत्ती पर युवती ने गाड़ी से उतरने की कोशिश की तो चालक ने दरवाजा सेंट्रल लॉक से बंद कर दिया। जी.टी करनाल रोड स्थित सीएनजी स्टेशन पर गाड़ी धीमी होते ही युवती मौका पाकर गाड़ी से कूद गई। इसके बाद आरोपी चालक मौके से कैब लेकर फरार हो गया। युवती ने महेंद्र पार्क पुलिस थाना में इस घटना की शिकायत दर्ज कराई। युवती की शिकायत पर शालीमार बाग एसीपी उत्कृष्ट प्रसून के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम गठित की गई। पुलिस ने उबर से जानकारी जुटाकर शुक्रवार देर रात गांव जानती कलां सोनीपत से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पूछताछ के दौरान पाया कि आरोपी के पास गाड़ी चलाने का लाइसेंस नहीं है और वह रजिस्टर्ड चालक भी नहीं है।

सास पर चाकू व डंडे से जानलेवा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। नरेला थाना क्षेत्र में ससुराल में दामाद ने सास को चाकू घोंपकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। दामाद एक महीने से मायके में रह रही पत्नी को बुलाने ससुराल आया था। उसके बार-बार कहने के बावजूद पत्नी घर वापस लौटने को तैयार नहीं थी। देर रात ससुराल में आने से पहले दामाद ने लगातार पत्नी को फोन किया। फिर चाकू मारकर अगले हफ्ते तक जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया और केस दर्ज कर फरार आरोपी की तलाश में है। पुलिस के मुताबिक मीना (50) सपरिवार नरेला में रहती है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि बेटी आरजू की शादी उसने वर्ष 2003 में प्रदीप से की थी। दो-तीन साल बाद प्रदीप उसे प्रताड़ित करने लगा। वह उसके चरित्र पर शक भी करता था। परेशान हो वह दो फरवरी को मायके आकर रहने लगी। होली के दिन प्रदीप घर पर आया और धमकी देकर गया कि पत्नी को नहीं भेजा तो अच्छा नहीं होगा। महिला का आरोप है कि रविवार को प्रदीप फोन पर गाली-गलौच करने लगा। रात में दामाद प्रदीप घर आया और जोर-जोर से दरवाजा पीटने लगा।

उत्तराखंड में जबरन धर्म परिवर्तन गैर जमानती अपराध, होगी 5 साल की कैद

देहरादून। उत्तराखंड में जबरन, साजिश और झूठ बोलकर किए जाने वाले धर्म परिवर्तन को अपराध घोषित कर दिया गया है। जबरन धर्म परिवर्तन कराने वालों को एक से सात साल तक की सजा होगी और जुर्माना भी भरना होगा।

धर्म परिवर्तन की नियत से किए जाने वाले विवाह भी अमान्य घोषित होंगे। सोमवार को विधानसभा में मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में यह अहम फैसला लिया गया।

सूत्रों ने बताया कि कैबिनेट में सरकार ने धर्म स्वतंत्रता विधेयक को मंजूरी दे दी है। इसमें धर्म परिवर्तन करने व कराने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। जबरन धर्म परिवर्तन को गैर जमानती अपराध घोषित कर दिया गया है। इसके तहत झूठ बोलकर, साजिशन धर्म परिवर्तन कराने की शिकायत पर तत्काल मुकदमा होगा। सामान्य वर्ग में धर्म परिवर्तन के मुकदमे पर एक से पांच साल की जेल, एससी एसटी के धर्म परिवर्तन पर दो से सात साल की जेल होगी।

सिर्फ धर्म परिवर्तन के उद्देश्य से किए जाने वाले विवाह को भी शून्य घोषित किया जाएगा।

एक महीने पहले करना होगा आवेदन

धर्म परिवर्तन के लिए, जिलाधिकारी कार्यालय में एक महीने पहले आवेदन करना होगा। बकायदा शपथ पत्र देना होगा। सामूहिक रूप से धर्म परिवर्तन से संबंधित आयोजन के लिए एक महीने पहले संबंधित जिले के डीएम के समक्ष आवेदन और शपथ पत्र देना होगा।

बिना मंजूरी पर सजा

बिना आवेदन के किए जाने वाले धर्म परिवर्तन अमान्य घोषित होंगे। इस नियम का उल्लंघन करने पर तीन महीने से एक साल तक की सजा होगी। यदि एससी, एसटी से बिना इजाजत सामूहिक धर्म परिवर्तन कराया तो छह महीने से दो साल की जेल होगी और यह गैर जमानती अपराध होगा।

परिवार व दोस्तों पर भी होगी कार्रवाई

धर्म परिवर्तन में साथ देने वाले परिवार के सदस्यों व दोस्तों को भी इस एक्ट के दायरे में लाया गया है। आरोप सिद्ध होने पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। उन्हें भी सजा भुगतनी होगी।

»» सीलिंग को लेकर गंभीर नहीं केजरीवाल सरकार

सर्वदलीय बैठक में भाग नहीं लेंगे भाजपा नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में चल रही सीलिंग के समाधान के लिए मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल द्वारा मंगलवार को बुलायी गयी सर्वदलीय बैठक को राजनीतिक माहौल खराब करने वाली बताते हुए प्रदेश भाजपा ने शामिल होने से साफ मना कर दिया है। सोमवार देर शाम जारी बयान में प्रदेश भाजपा के तीनों मंत्रियों ने आरोप लगाया है कि दिल्ली सरकार कारोबारियों को सीलिंग से राहत दिलाने के बजाये राजनीति कर रही है। बयान जारी करने से पहले मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने 30 जनवरी की बैठक का उल्लेख करते हुए कहा कि केजरीवाल उनके प्रदेश अध्यक्ष को बेइज्जत करते हुए वापस कर दिया। प्रदेश महामंत्री कुलजीत चहल, राजेश भाटिया एवं रविंद्र गुप्ता ने बयान में बयान में कहा है कि केजरीवाल पहले दिन से ही सीलिंग को लेकर गंभीर नहीं हैं। उनकी गंभीरता का पता इससे ही चलता है कि 30 जनवरी को प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी सीलिंग के मुद्दे पर बात करने उनके घर गये थे, लेकिन केजरीवाल ने बात करने बजाये मनोज तिवारी से र्दुव्यवहार पर बैरंग लौटा दिया। पत्र में भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री के सामने शर्त रखी है कि वह पहले दिल्ली सरकार अच्छे वकील को हायर करके उच्चतम न्यायालय जाये। उनके बात भाजपा सीलिंग के मुद्दे पर सरकार के साथ बात करेगी।

पत्नी को विदा नहीं करने पर दामाद ने की ससुर की हत्या

बरेली। पत्नी को मायके से विदा नहीं किए जाने से नाराज एक युवक ने अपने ससुर की चाकू से ताबड़तोड़ प्रहार करके हत्या करने के बाद खुद को पुलिस के हवाले कर दिया।

अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) रोहित सिंह सजवाण ने बताया कि बरेली शहर के हुसैनबाग निवासी मुहम्मद रईस मियां (64) ने अपनी बेटी सीमा का निकाह दिसम्बर 2010 में किला थाना क्षेत्र के बाकरगंज रेती मुहल्ला निवासी फहीम से किया था। बाद में उन्हें एक बेटा हुआ था।

शादी के कुछ वक्त बाद से ही घर में अक्सर झगड़ा होने लगा था। इस पर सीमा ने वर्ष 2013 में फहीम पर दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया था।

उन्होंने बताया कि बाद में दोनों के बीच सुलह तो हो गई, लेकिन मुकदमा चलता रहा। करीब 10 महीने पहले सीमा अपने मायके चली आई थी।

फहीम के मुताबिक, पिछले दस महीने में वह कई बार अपनी पत्नी को लेने अपनी ससुराल गया, लेकिन ससुर रईस मियां ने हर बार सीमा को उसके साथ भेजने से मना कर दिया। सीमा भी ससुराल वापस नहीं जाना चाहती थी। उसे अपने बेटे से भी नहीं मिलने दिया गया।

जब उसने तलाक की बात कही तो रईस ने सीमा के लिए मकान खरीदकर देने की शर्त रख दी, जिसे पूरा करना उसके वश की बात नहीं थी।

फहीम का कहना है कि सोमवार की रात भी वह सीमा को लेने के लिए उसके मायके गया था।

रास्ते में उसे उसके ससुर रईस मिले तो उसने उनसे फिर सीमा को साथ भेजने की गुहार लगाई, लेकिन ससुर ने सीमा को भेजने से इनकार कर दिया।

इस पर वह तैश में आ गया और अपने ससुर पर चाकू से ताबड़तोड़ वार करके उनकी हत्या कर दी। बाद में थाने जाकर आत्मसमर्पण कर दिया। बहरहाल, पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

»» सीलिंग को लेकर विधानसभा में बिल लाने की मांग

सिरसा व कपिल ने बोला केजरीवाल पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीलिंग के मुद्दे पर देश की राजधानी में राजनीति गरमाई हुई है। भाजपा विधायक मनजिंदर सिंह सिरसा और आप के बागी विधायक व पूर्व मंत्री कपिल मिश्रा ने संयुक्त रूप से संवाददाता सम्मेलन कर दिल्ली सरकार पर हमला बोला है।

इनका कहना है कि 16 मार्च से दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र शुरू होगा। एलजी के अभिभाषण के बाद दिल्ली सरकार सीलिंग को लेकर बिल लाए। यदि दिल्ली सरकार बिल नहीं लाती है तो हम लोग प्राइवेट मेंबर बिल लाएंगे, जिसे सदन पटल पर रखने की अनुमति दी जाए। सिरसा ने कहा कि दिल्ली सरकार बहुत देर से होश में आई है। तमाशा ज्यादा, काम कम की नीति पर चल रही है। मानहानि के मुकदमे में केजरीवाल महंगे वकील हायर करते हैं, जबकि सीलिंग को लेकर पैनल के वकीलों से काम चला रही है। उन्होंने कहा कि बिजली बिल को लेकर केजरीवाल बिजली के खंभे पर चढ़कर तार जोड़ने लगते हैं। सीलिंग हो रही है तो वह सील क्यों नहीं तोड़ देते? केजरीवाल एक सील तोड़ेंगे तो हम 10 सील तोड़ देंगे। उन्होंने कहा है कि जब आधी दिल्ली सील हो जाएगी तो केजरीवाल भूख हड़ताल करेंगे।

केजरीवाल की भूख हड़ताल नहीं बल्कि मरण हड़ताल करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमारे विधानसभा क्षेत्र में दिल्ली सरकार कोई भी विकास कार्य की योजना नहीं चला रही है। एक भी नए स्कूल नहीं खुले। मोहल्ला क्लीनिक में कोई सुविधा नहीं है। सिरसा की बात को आगे बढ़ाते हुए कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली सरकार चाहे तो सीलिंग रुक

केजरीवाल को भूख हड़ताल नहीं मरण हड़ताल करने की जरूरत

सकती है, लेकिन सरकार की मंशा ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने जनता से पूछ कर बजट बनाने का वादा किया था, लेकिन इस दिशा में कुछ नहीं किया है। हम बजट को लेकर जनता की राय जानने के लिए एक एप लेकर आ रहे हैं। एप का नाम वायस ऑफ देल्ही होगा। लोगों से राय लेंगे। बजट को लेकर जो लोग सुझाव देंगे उसके अनरूप बजट में संशोधन का प्रस्ताव लेकर आएंगे। उन्होंने कहा कि 49 परियोजनाओं का 17 हजार करोड़ रुपए लैप्स हो गया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल की रुचि सीलिंग रुकवाने या दिल्ली के विकास को लेकर नहीं है। वे केवल वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं।

आवेदन के लिए अब आधार होना जरूरी नहीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य प्रवेश परीक्षा (यूपीएसईई-2018) के आवेदन में अब आधार होना जरूरी नहीं है। आधार के बगैर छात्र आवेदन कर सकते हैं। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि ने आधार की अनिवार्यता खत्म कर दी है।

यूपीएसईई को-ऑर्डिनेटर एके कटियार ने बताया कि हाल में ही नीट में आधार की अनिवार्यता खत्म की गई है। वहीं कुछ ऐसे मामले भी सामने आए जिसमें छात्रों को आवेदन के दौरान आधार अनिवार्य होने से समस्या का सामना करना पड़ा। इसलिए आधार की अनिवार्यता खत्म करने का निर्णय लिया गया है। वर्तमान में आवेदन जारी हैं। इच्छुक छात्र ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शुरुआत में ऑनलाइन फॉर्म भरने की तारीख 15 मार्च थी लेकिन अब समय सीमा 30 मार्च हो जाएगी।

पिछले साल पचास फीसदी से अधिक मैनेजमेंट व इंजीनियरिंग की सीटें खाली रही थीं। इसलिए, एकेटीयू प्रशासन और संबद्ध संस्थान यूपीएसईई का प्रचार प्रसार कर रहे हैं।

आधार की अनिवार्यता से आवेदनों की संख्या में कमी न हो इसलिए भी आधार की अनिवार्यता समाप्त की है।

सोनीपत : प्रोफेसर को स्टाफ रूम में घुसकर छात्र ने गोलियों से भूना

नई दिल्ली। सोनीपत से एक दिल को दहला देनेवाली खबर सामने आ रही है जहां एक कॉलेज में मंगलवार को छात्र ने प्रोफेसर की गोली मारकर हत्या कर दी। सोनीपत के पीपली गांव में शहीद दलबीर सिंह कॉलेज के कैम्पस में हुई इस सनसनीखेज वारदात के पीछे का मकसद अभी तक साफ नहीं हो पाया है। खरखौदा के थाना इंचार्ज वीरेन्द्र सिंह का कहना है कि प्रोफेसर एक कमरे के अंदर बैठे हुए थे कि अचानक एक छात्र आया और तड़ातड़ चार गोलियां उनके सीने में दागकर मौके से फरार हो गया। राजेश सिंह जिनके बारे में छात्रों का कहना है कि वे इंग्लिश पढ़ाते थे, उन्हें अस्पताल में दाखिल कराया गया।

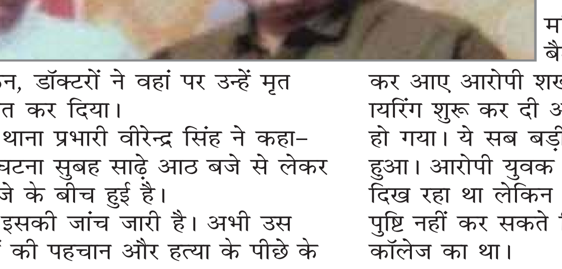

लेकिन, डॉक्टरों ने वहां पर उन्हें मृत घोषित कर दिया।

थाना प्रभारी वीरेन्द्र सिंह ने कहा- यह घटना सुबह साढ़े आठ बजे से लेकर 9 बजे के बीच हुई है।

इसकी जांच जारी है। अभी उस छात्रों की पहचान और हत्या के पीछे के बारे में कुछ भी बताना जल्दबाजी होगी। घटना के वक्त कॉलेज में मौजूद एक प्रोफेसर ने बताया-

जिस वक्त मलिक स्टेनो रूम में बैठे हुए थे मुंह ढक कर आए आरोपी शख्स ने खुलेआम फायरिंग शुरू कर दी और मौके से फरार हो गया। ये सब बड़ी ही जल्दबाजी में हुआ। आरोपी युवक छात्र की तरह दिख रहा था लेकिन हम इस बात की पुष्टि नहीं कर सकते कि वह इसी कॉलेज का था।

»» सीलिंग के खिलाफ आप के राज्यसभा सांसदों ने सदन में दिया प्राइवेट मेंबर बिल

केंद्र अध्यादेश लाकर रोक सकता है सीलिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। आप के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा है कि दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में सीलिंग का कहर पिछले काफी दिनों से बरपाया जा रहा है। व्यापारी सड़कों पर आ गए हैं। केंद्र सरकार चाहे तो अध्यादेश लाकर सीलिंग से राहत दिला सकती है।

आप के राज्यसभा सदस्यों ने प्राइवेट मेंबर बिल के लिए नोटिस दिया है। उन्होंने कहा कि कन्वर्जन चार्ज के तौर पर चार हजार करोड़ रु पए इकट्ठा हुए, लेकिन उसका कोई हिसाब एमसीडी के पास नहीं है। वह पैसा उन बाजारों के विकास पर खर्च होना था जहां के व्यापारियों ने कन्वर्जन चार्ज के नाम पर एमसीडी को पैसे दिए थे, लेकिन भाजपा शासित एमसीडी के पास उसका कोई हिसाब नहीं है। उन्होंने कहा कि जो बिल पहले कांग्रेस की सरकार ने वर्ष 2011 में पास कराया था और उसके बाद साल 2017 में बीजेपी सरकार ने उसमें संशोधन कराया है उसे हमने स्टडी किया है और हमारी मांग है कि उसी तरह का संशोधन करके सीलिंग को रोका जा सकता है।

सिंह ने कहा कि सीलिंग को रोकने के लिए संसद में हमने प्राइवेट मेंबर बिल दिया है। हमारी जानकारी में आजादी के बाद से अब तक लगभग 14 प्राइवेट मेंबर बिल स्वीकृत हुए हैं और पिछले 5-6 महीने में 300 से ज्यादा प्राइवेट मेंबर बिल आ चुके हैं। हालांकि इस पर सहमति होना और पास होने की एक लंबी प्रक्रिया है। सदन में इस पर सहमति बनेगी या नहीं बनेगी इस पर कुछ कहा नहीं जा सकता, लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि अगर भाजपा की केंद्र सरकार चाहे तो तुरंत संसद में बिल आ सकता है और सीलिंग भी रुक सकती है। उन्होंने कहा कि जिस तरह का बयान कांग्रेस अध्यक्ष अजय माकन दे रहे हैं उसे देखकर ऐसा लगता है कि वे बीजेपी की कठपुतली बनकर खेल रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने सर्वदलीय बैठक बुलायी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विदेश में हैं। वे चाहें तो पार्टी की ओर से तीन लोग को सर्वदलीय बैठक में भेज सकते हैं।

सीलिंग की समस्या पर दाखिल किया हलफनामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्य मंत्री हरदीपसिंह पुरी ने बताया कि दिल्ली में जारी सीलिंग की समस्या से निपटने के लिए मंत्रालय द्वारा सुझाए गए उपायों से जुड़ा हलफनामा उच्चतम न्यायालय में पेश कर दिया गया है। हलफ नामे में मंत्रालय ने उच्चतम न्यायालय को दिल्ली के मास्टर प्लान 2021 में दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा प्रस्तावित संशोधनों को ही सीलिंग की समस्या का एकमात्र उपाय बताया है। दिल्ली के तमाम आवासीय इलाकों में मास्टर प्लान का उल्लंघन कर आवासीय संपत्तियों के व्यावसायिक इस्तेमाल को रोकने के लिए उच्चतम न्यायालय की देखरेख में तीनों नगर निगमों द्वारा सीलिंग की कार्रवाई की जा रही है। पुरी ने स्पष्ट किया कि सीलिंग

सिर्फ उन स्थानों पर हो रही है जहां मास्टर प्लान का उल्लंघन कर अनधिकृत निर्माण किया गया है या पर्यावरण मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है।

हम नश्वरता को प्राप्त होंगे। इसलिए कभी भी बाधारहित जीवन की प्रार्थना न करें; बल्कि भगवान से एक धैर्यवान हृदय प्रदान करने की प्रार्थना करें। - मेनान्डर

सैन्य साजो-सामान

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के अंतिम दिन सर कार्यवाह भैय्याजी जोशी ने अयोध्या में विवादित स्थल पर राम मंदिर निर्माण के प्रश्न पर जो कुछ कहा, वह संघ का पुराना रु ख है। जोशी के यह कहने कि विवादित भूमि पर और कुछ नहीं राम मंदिर का ही निर्माण होगा, का कोई विरोध कर सकता है, संघ हमेशा से यही कहता रहा है। वैसे जोशी की बात थोड़ा आास्त करती है कि ऐसा प्रक्रिया के तहत होगा और अदालत के फैसले के बाद मंदिर बनेगा। जोशी ने कहा कि मंदिर का निर्माण अदालत के आदेश के बाद शुरू होगा। निर्माण जमीन के स्वामित्व पर फैसले के आधार पर होगा। मतलब कि संघ अदालत के फैसले को मानने का मन बना चुका है। हां, अदालत उनके अनुकूल ही फैसला देगी इसे लेकर आास्त होने को लेकर आपत्तियां उठाई गई हैं, पर यह संघ का विचार है। वैसे, संघ से प्रश्न किया जा सकता है कि आखिर, अदालत उनके पक्ष में यानी मंदिर निर्माण के लिए ही फैसला देगी, इसका पूर्वानुमान कैसे लगा लिया गया? इसका उत्तर संघ ने नहीं दिया है। शायद देगा भी नहीं। जब 2.77 एकड़ विवादित भूमि के स्वामित्व का मामला अदालत में चल रहा है, तो बेहतर हो कि हम फैसले की प्रतीक्षा करें। जिसको स्वामित्व का अधिकार मिलेगा वह उसका अपने अनुसार उपयोग करेगा। हां, जोशी की पत्रकार वार्ता से यह निष्कर्ष अवश्य निकलता है कि मंदिर का निर्माण आम सहमति से हो सकता है, इसकी उम्मीद संघ को नहीं है। ऐसा होता तो वे नहीं कहते कि आम सहमति बनाना आसान नहीं होगा। जोशी के अनुसार हमने हमेशा ही कहा है कि मंदिर का निर्माण परस्पर सहमति से होना चाहिए, लेकिन हमारा अनुभव कहता है कि आम सहमति बनाना आसान नहीं होगा। इस वाक्य से स्पष्ट नहीं होता कि संघ श्रीश्री रविशंकर के आम सहमति बनाने के प्रयासों का समर्थन करता है, या नहीं..पर इतना साफ है कि वह आम सहमति के लिए सक्रिय नहीं होगा। तो प्रश्न अवश्य उठता है कि आखिर,श्रीश्री के प्रयासों का क्या होगा? अगर संघ जैसा प्रमुख संगठन उसके प्रति आग्रही नहीं है, तो फिर यह मान लेना होगा कि उसका कोई ठोस परिणाम निकलना कठिन है। हालांकि संघ श्रीश्री के विरोध में नहीं है, लेकिन उनके अनुसार सक्रिय होने को भी तैयार नहीं। वैसे भी जब सुन्नी वक्फबोर्ड से लेकर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड तक ने कह दिया है कि वह केवल अदालत के फैसले को मानेगा तो फिर आम सहमति से रास्ता निकलेगा कैसे?

''पारस्परिक शुल्क''

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सरकारी बैंकों के विशेष ऑडिट की जो प्रक्रिया शुरू की है, उसका स्वागत किया जाना चाहिए। ऑडिट का मुख्य फोकस व्यापारिक गतिविधियों के वित्त पोषण और बैंकों द्वारा जारी गारंटी पत्र (एलओयू) रहेगा। जो सूचना है रिजर्व बैंक ने सभी बैंकों से उनके द्वारा जारी एलओयू की जानकारी मांगी है। जाहिर है, बैंक यह जानकारी देंगे तो उसमें यह भी शामिल होगा कि किसके यहां कितना बकाया है। इस तरह इसका पूरा विवरण रिजर्व बैंक के पास आ जाएगा। पूरी समीक्षा के बाद उसके लिए यह तय करना भी आसान होगा कि किन-किन बैंकों में किन व्यापारियों ने अधिकारियों-कर्मचारियों की मिलीभगत से भ्रष्टाचार किया है। साफ है कि रिजर्व बैंक प्राप्त जानकारियों के आधार पर इसकी भी जांच करेगा कि बैंकों के पास ऋण सीमा की पहले से अनुमति थी, या नहीं और गारंटी पत्र जारी करने से पहले उनके पास पर्याप्त नकद मार्जिन उपलब्ध था, या नहीं।

हाल में पंजाब नेशनल बैंक में एलओयू धोखाधड़ी के सामने आने के बाद ऐसा करना अपरिहार्य हो गया है। बताने की जरूरत नहीं कि अधिकतर बैंकिंग धोखाधड़ी के बड़े मामले व्यापार वित्त पोषण से ही जुड़े हैं। जानबूझ कर ऋण न चुकाने के अनेक मामले व्यापार वित्त पोषण से जुड़े रहे हैं। ऐसे एक दो मामले नहीं होंगे। बैंकों की दुर्दशा के पीछे प्रभावी धनपतियों का बैंक अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ मिलीभगत कर नियमों और प्रक्रियाओं का गलत इस्तेमाल करना प्रमुख है। देश चाहता है कि ऐसा करने वालों को कानून के कठघरे में खड़ा किया जाए। आखिर आम आदमी की गाढ़ी कमाई का धन ही बैंकों में रहता है।

अपेक्षा रहती है कि आम आदमी या व्यापारियों को आवश्यकतानुसार एवं अपनी क्षमता के अनुरूप कर्ज प्रदान करेंगे ताकि विकास की गाड़ी बढ़ती रहे। नहीं कह सकते कि बैंकों ने बिल्कुल ऐसा नहीं किया, लेकिन उन्होंने इसके समानांतर आम आदमी की जमा राशि भारी मात्रा में लुटाई है। इससे ही बैंकों का एनपीए इतना बढ़ा हुआ है। उम्मीद करनी चाहिए कि रिजर्व बैंक ने बैंकों के तत्संबंधी रिकॉर्ड को खंगालने की जो प्रक्रिया आरंभ की है, उसे वह तार्किक निष्पत्ति तक ले जाएगा।

सत्संग

क्रोध

क्रोध का गतिशील होना बुरा है, क्योंकि इसका मतलब हुआ कि इससे तुम्हारा पूरा शरीर और मन का पूरा ढांचा विषाक्त हो गया। और तुम इसे लंबे समय तक किए चले गए जैसे कि प्रत्येक व्यक्ति करता आ रहा है। समाज तुम्हें रूपांतरण नहीं नियंतण्र करना सिखाता है। कहता है: ''स्वयं पर नियंतण्र रखो'। नियंतण्र द्वारा सभी नकारात्मक चीजों को अचेतन के गहन से गहनतम तल में फेंकते रहो-तब वे सब तुम्हारे भीतर निरतंर बहने वाली चीजें हो जाती हैं। तब प्रश्न तुम्हारे क्रोधित होने या नहीं होने का नहीं रह जाता; तब तुम क्रोध ही रह जाते हो। फिर कभी तुम्हारे भीतर भयंकर विस्फोट जैसा होता है, और कभी नहीं भी हो़ता क्योंकि वहां कोई बहाना नहीं होता या तुम्हें बहाना खोजना होता है। स्मरण रहे कि तुम कहीं भी बहाना खोज सकते हो कि तुम क्रोधित हो क्योंकि तुमने क्रोध का इतना अधिक दमन किया है कि कोई भी क्षण नहीं होता जब तुम क्रोधित नहीं होते; ज्यादा से ज्यादा ऐसा होता है कि कभी तुम कम क्रोधित या कभी अधिक क्रोधित होते हो। दमन द्वारा तुम्हारा पूरा ढांचा ही विषाक्त हो गया है। क्रोध में ही भोजन करते हो। कोई बिना क्रोध भोजन करता है, तब उसका निरीक्षण करना अत्यंत सुंदर होता है-क्योंकि वह अहिंसक रूप से भोजन कर रहा होता है, और यह भी हो सकता है कि वह मांसाहार ही कर रहा हो, पर तब भी वह अहिंसक रूप से भोजन करता है, यह भी हो सकता है कि तुम केवल फल-सब्जियां खा रहे हो, और तुमने क्रोध का दमन किया है, तब तुम भोजन को हिंसक रूप से खाते हो। केवल भोजन द्वारा ही तुम्हारे दांत, तुम्हारा मुंह क्रोध को बाहर निकाल पाते हैं। तुम भोजन पीसते हुए ऐसे चबाते हो, जैसे शत्रु हो। स्मरण रहे, कोई जानवर क्रोधित होता है, तो वह क्या करता है? केवल दो ही चीजें संभव हैं। नाखून और दांत-ये ही उसके शरीर के प्राकृतिक हथियार हैं। तुम्हारे लिए अपने नाखूनों द्वारा कुछ भी करना कठिन होगा क्योंकि लोग कहेंगे-''तुम कोई जानवर हो क्या?' तब तुम्हारे पास केवल एक ही उपाय बचता है, जिससे तुम अपने क्रोध और हिंसा को सरलता से प्रकट कर सकते हो, और वह है-तुम्हारा मुंह। और किसी व्यक्ति को काटने में भी तुम उसका प्रयोग नहीं कर सकते।

सांप्रदायिक दंगों की चपेट

इस घटना का पहला निष्कर्ष तो यही निकलता है कि स्थानीय प्रशासन इसे रोकने में नाकामयाब रहा। तनाव पहले से था, और किसी की शवयात्रा में भारी संख्या में एक समुदाय के लोग शामिल हैं, नारे लग रहे हैं, तो फिर प्रशासन को चौकन्ना हो जाना चाहिए था। यहां तक तो बात समझ में आती है। किंतु यह केवल प्रशासन का मामला नहीं है। मुसलमानों और बौद्धों का संबंध केवल कानून व्यवस्था से संबद्ध नहीं है। हालांकि सरकार ने वहां सेना भेजी, विशेष पुलिस बल रवाना कर दिया, कर्फ्यू लगा दिया गया। काफी संख्या में लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसका तात्कालिक असर तो यह हुआ है कि उसके बाद वहां हिंसा नहीं हो रही।

सतीश पेडणोकर

पड़ोसी देश श्रीलंका फिर एक बार सांप्रदायिक दंगों की चपेट में आया है, और स्थिति को संभालने के लिए सरकार को आपातकाल लागू करना पड़ा है। आपातकाल लगाना ही यह साबित करता है कि स्थिति को सरकार कितना गंभीर मान रही है। हालांकि बौद्ध और मुस्लिम समुदाय के बीच हिंसक घटनाएं केवल कैंडी तथा उसके पड़ोस में ही घटी हैं, लेकिन पूर्व के अनुभवों को देखते हुए सरकार ने एहतियातन पूरे देश में आपातकाल लगा दिया है ताकि इनका विस्तार न होने पाए। 2014 में श्रीलंका में बड़े पैमाने दोनों समुदायों के बीच दंगे हुए थे। उन्हें संभालने में सरकार को नाकों चने चबाने पड़े थे। उस हिंसा में काफी संख्या में मुस्लिम और सिंहली विस्थापित हुए थे। उस घटना ने बता दिया था कि किस तरह दोनों समुदायों के बीच तनाव की खाई चौड़ी हो चुकी है। वास्तव में पिछले कुछ वर्षो में सिंहली, बौद्धों तथा मुस्लिमों के बीच जिस तरह रिश्ते बिगड़े हैं, उनको देखते हुए सरकार का यह कदम उचित ही है। वैसे आज से एक वर्ष पूर्व 26-27 फरवरी, 2017 को भी श्रीलंका के पूर्वी प्रांत के अंपारा कस्बे में भी सांप्रदायिक हिंसा हुई थी। उसे किसी तरह प्रशासन ने रोक तो दिया, लेकिन तनाव खत्म नहीं हुआ। कहा जा रहा है कि वर्तमान हिंसा की जड़ भी उन्हीं घटनाओं में निहित है। जो सूचनाएं आई हैं, उनके अनुसार कैंडी में सिंहली बौद्ध समुदाय के एक ट्रक चालक की मौत हो गई। उसका कुछ दिन पूर्व चार मुसलमानों से झगड़ा हुआ था। कहा जाता है कि उसमें वह बुरी तरह घायल हो गया। उसकी अंत्येष्टि में काफी संख्या में लोग जुटे। उनमें उत्तेजना थी, उत्तेजक नारे लगे। इसके बाद कुछ मुसलमानों के घरों व दूकानों पर हमले हुए। हालांकि प्रतिकार उधर से भी हुआ, लेकिन इसमें एक मुसलमान अपने जले घर में मृत पाया गया। इसके बाद हिंसा तेजी से फैली। इस घटना का पहला निष्कर्ष तो यही निकलता है कि स्थानीय प्रशासन इसे रोकने में नाकामयाब रहा। तनाव पहले से था, और किसी की शवयात्रा में भारी संख्या में एक समुदाय के लोग शामिल हैं, नारे लग रहे हैं, तो फिर प्रशासन को चौकन्ना हो जाना चाहिए था। यहां तक तो बात समझ में आती है। किंतु यह केवल प्रशासन का मामला नहीं है। मुसलमानों और बौद्धों का संबंध केवल कानून व्यवस्था से संबद्ध नहीं है। हालांकि सरकार ने वहां सेना भेजी, विशेष पुलिस बल रवाना कर दिया, कर्फ्यू लगा दिया गया। काफी संख्या में लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसका तात्कालिक असर तो यह हुआ है कि उसके बाद वहां हिंसा नहीं हो रही। लेकिन दोनों समुदायों के संबंधों तथा पूरे माहौल को देखते हुए आप गारंटी नहीं दे सकते कि आगे फिर हिंसा नहीं होगी। श्रीलंका में मुस्लिम आबादी केवल दस प्रतिशत है। इसके समानांतर सिंहली बौद्धों की संख्या 75 प्रतिशत के आसपास। इसलिए दोनों के बीच कोई मुकाबला नहीं। किंतु बौद्धों के अंदर मुस्लिमों को लेकर कई प्रकार की आशंकाएं हैं। वे उन पर धर्म परिवर्तन से लेकर पुरातात्विक महत्त्व की चीजों को नष्ट करने जैसे कई प्रकार के आरोप लगाते हैं। इस कारण बौद्धों के अनेक संगठन तक खड़े हो गए हैं, जो मुस्लिमों के खिलाफबयान देते हैं। मोर्चा निकालते रहते हैं। बौद्ध संगठन बोदु बाला सेना उन्हीं में सबसे बड़ा और सर्वाधिक सक्रिय है। इस संगठन के महासचिव गालागोदा ऐथे गनानसारा के बयान अक्सर श्रीलंकाई मीडिया में आते रहते हैं। वे कहते हैं कि मुस्लिमों की बढ़ती आबादी देश के मूल सिंहली बौद्धों के लिए खतरा है। 2014 में जब दोनों समुदायों के बीच तनाव चरम पर था, तब उन्होंने कहा था कि मुस्लिम समुदाय का अतिवाद खतरा है, और इन्हें मध्य-पूर्व के देशों से मदद मिलती है। वास्तव में ऐसे अनेक नेता और संगठन हैं, जो गनानसारा की भाषा बोलते हैं। म्यांमार में बौद्धों और रोहिंग्या मुसलमानों के बीच भीषण दंगों की प्रतिध्वनि यहां भी सुनाई पड़ रही है। सिंहली बौद्ध संगठन उस विषय को बराबर उठाते हैं।

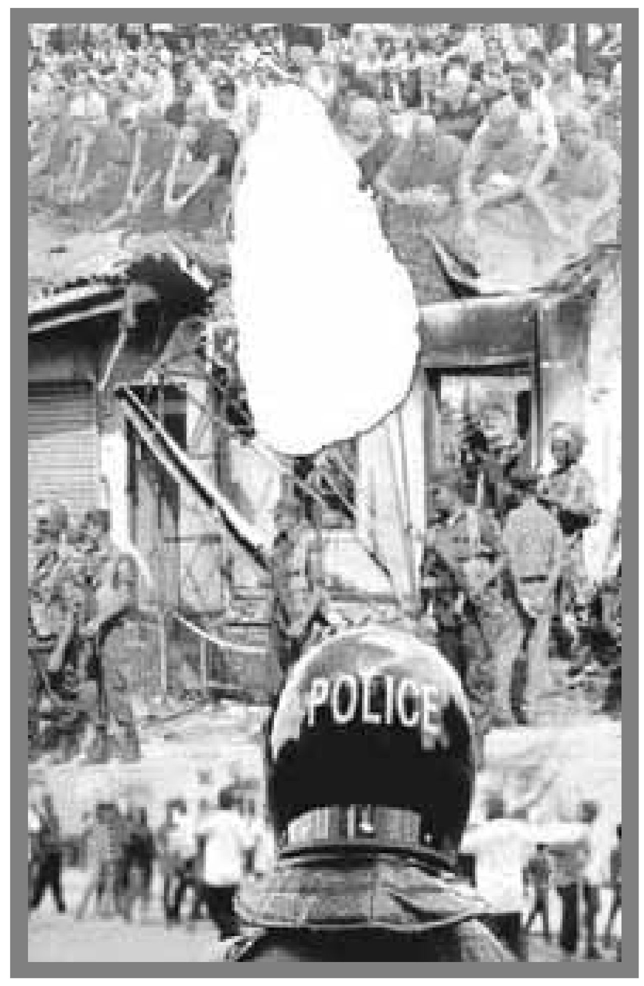

कहते हैं कि म्यांमार में हमारे बौद्ध भाइयों के खिलाफ इन्होंने जुल्म किया है। यह प्रचार वहां काफी हुआ है। जाहिर है कि इसका असर भी है। जिस तरह हमारे देश में और अन्यत्र रोहिंग्या शरणार्थी हैं, वैसे ही कुछ श्रीलंका भी पहुंचे हैं। ये इसका भी विरोध करते हैं। इन्हें देश के लिए खतरा बताते हुए इनको वापस भेजने की मांग करते हैं। इसके विपरीत श्रीलंकाई मुसलमान उनका समर्थन करते हैं, उनके प्रति सहानुभूति जताते हैं। इस कारण भी दोनों के बीच तनाव बना हुआ है। हम तनाव और हिंसा की आलोचना कर सकते हैं। लेकिन आलोचना ऐसी किसी समस्या का समाधान नहीं है। श्रीलंका में दोनों समुदायों के बीच शांति स्थापित नहीं हुई तो वह एक नई समस्या से घिर जाएगा जिसका खतरा साफ मंडराता दिख रहा है। ऐसा नहीं है कि दोनों समुदायों के बीच तनाव की चिंगारी उस देश तक ही सीमित रहेगी। सच कहा जाए तो यह स्थिति केवल श्रीलंका के लिए ही चिंताजनक नहीं है। पूरे दक्षिण एशिया में इसकी प्रतिक्रिया हो सकती है। म्यांमार दंगे के बाद हमारे देश में ही उसकी प्रतिक्रिया में कई स्थानों पर हिंसा की घटनाएं हुई। चाहे मुंबई के आजाद मैदान की घटना हो या लखनऊ का दंगा। आज भी उनकी यादें सिहरन पैदा करती हैं। हमारे यहां भी रोहिंग्या मुसलमानों को शरण दिए जाने का मुद्दा बहुत बड़ा है, जो कई जगह तनाव का कारण बना हुआ है। इसलिए श्रीलंका में जो कुछ हो रहा है, उसे उस देश तक सीमित मान लेना उचित नहीं होगा। वहां बौद्धों और मुसलमानों के बीच हिंसा फैलती है, तो फिर इसकी लपटें दूर तक जाएंगी। इसलिए भारत भी वहां की घटनाओं से आंखें नहीं मूंद सकता। किंतु हम इसमें कर क्या सकते हैं? समस्या का समाधान तो श्रीलंका को ही करना है। यह ऐसी समस्या है, जिससे श्रीलंका को पार पाना ही होगा। श्रीलंका की सरकारों ने आरंभ से ऐसी नीतियां नहीं अपनाई जिनसे सभी समुदायों के बीच परस्पर सद्भाव एवं सहकार कायम हो सके। उसे अपने पड़ोसी देश भारत से सीखना चाहिए था। आजादी के बाद हमने इतनी विविधताओं के रहते हुए किस तरह एकता के सूत्रों को मजबूत करने का प्रयास किया है।

चलते चलते

होशियार हेल्थ

पर्याप्त ठुंकित-पिटित अवस्था जब उसकी हो गई तो वह बोल पाया-जी मैं तो हेल्थ के लिए दौड़ रहा था। मैं किसी बैंक से रकम लेकर नहीं भाग रहा था। होशियार हेल्थ के लिए दौड़ रहे हैं। परम होशियार वेल्थ के लिए। पकड़ने वाली पब्लिक भी नासमझ है।

बहुत स्पीड से वह बंदा भाग रहा था। उसे पकड़ कर पब्लिक ने पिटाई लगानी शुरू कर दी। पर्याप्त ठुंकित-पिटित अवस्था जब उसकी हो गई तो वह बोल पाया-जी मैं तो हेल्थ के लिए दौड़ रहा था। मैं किसी बैंक से रकम लेकर नहीं भाग रहा था। होशियार हेल्थ के लिए दौड़ रहे हैं। परम होशियार वेल्थ के लिए। पकड़ने वाली पब्लिक भी नासमझ है। छोटा जेबकट दौड़ते हुए पकड़ा जाता है, बड़ा जेबकट लंदन में बैठकर भारतीय जांच एजेंसियों के अफसरों को दौड़ाता है। और तमाम भाग-दौड़ के बाद जांच एजेंसियों के हाथ क्या आता है, वही जो वरिष्ठ दार्शनिक कपिल शर्मा अपने कार्यक्रमों में अक्सर बताते रहते हैं-बाबाजी का ठुल्लू। सरकार ने ताकीद कर दी है कि बैंक 50 करोड़ रुपये से ऊपर का कर्ज देने से पहले कर्जदार के पासपोर्ट की जानकारियां रख लेंगे। क्या होगा। जी यह होगा कि बंदा भले ही उड़ ले पर उसके पासपोर्ट की डिटेल्स जांच एजेंसियों के पास रह जाएंगी। सरकारी बैंकों द्वारा दिए कजरे को दरअसल एक मायने में जनसंख्या नियंतण्र के उपायों के तौर पर देखा जा सकता है। विजय माल्या, नीरव मोदी, मेहुल चौकसी कर्ज लेते हैं सरकारी बैंकों से और उड़ लेते हैं देश से बाहर। इस तरह से देश में जनसंख्या कम हो जाती है। किसान बैंकों से कर्ज लेकर परेशान रहता है। क्यों, क्योंकि बेचारा भाग नहीं सकता। तकादे के लिए बैंक वाले उसे परेशान करते हैं। मारे शर्म के आत्महत्या कर लेता है किसान। माल्या शर्ममुक्त भारत के प्रतिनिधि हैं। वह शर्ममुक्त और कैशयुक्त होकर लंदन में मौज काटते हैं। जिस दिन किसान माल्या की तरह शर्म मुक्त और कैशयुक्त होने लगेगा, किसान की समस्याएं खत्म हो जाएंगी। मुझे डर यह है कि माल्या-नीरव मोदी-मेहुल चौकसी को कैशयुक्त करने के बाद तमाम सरकारी बैंक इस कदर कैशमुक्त ना हो जाएं कि आम डिपॉजिटर से कहें-अब तो हमारे पास वही बचा है, जिसका जिक्र कपिल शर्मा करते हैं-बाबाजी का ठुल्लू। कम में काम चलाओ या बिना पैसे की काम चलाओ। मितव्ययी बनो। बचत करो ताकि माल्या देश से उड़ कर देश की जनसंख्या कम कर सके। एक ही बैंक एक साथ राष्ट्रीय महत्त्व के दो कार्यक्रमों में योगदान दे रहा होगा-जनसंख्या नियंतण्र और मितव्ययिता। और क्या क्या करवाओगे जी बैंकों से।

फोटोग्राफी...

यह फोटो पेरु में स्थित मोन्टाना डिसिएट कोलर्स (माउंटेन ऑफ सेवन कलर्स) का है, जिसे रेनबो माउंटेन भी कहते हैं। 5,200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह पर्वत श्रृंखला दूर तक फैली है। वर्ष में करीब 8 महीने इन पहाड़ों का रंग ऐसा ही होता है। विभि न्न रंगों के कारण इस जगह स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों के लिए भी बड़ा आकर्षण है। कुछ लोग पर्वतारोहियों की तरह यहां पहुंचते हैं तो कुछ लोग घुड़सवारी करके। इस जगह का नाम पितुमर्का है, जहां पर्यटक आराम कर ते हैं। पेरु में कुस्को क्षेत्र के अंतर्गत इस जगह पर उन्हीं लोगों को आने की इजाजत होती है, जो शारीरिक रूप से स्वस्थ हों। ऐसा इसलिए क्योंकि अधिक ऊंचाई पर होने के कारण मौसम कभी भी बिगड़ जाता है और ऑक्सी जन कम होती है। मान्यता है कि हजारों वर्ष पहले इन पहाड़ों का रंग सामान्य था, लेकिन क्षरण होने के दौरान पहाड़ों से मिट्टी बह गई और उनके अलग-अलग रंग सामने आए। अब यहां जो मिट्टी है, वह खनिज संपदा से पूर्ण है।

spotlight.it-notes.ru

टीम में बहुत सुधार की जरूरत

भारतीय हॉकी टीम के कोच बनने के बाद टीम द्वारा एशिया कप में स्वर्ण पदक और फिर वर्ल्ड हॉकी लीग फाइनल्स में कांस्य पदक जीतने के बाद भी लग रहा था कि टीम में अभी बहुत सुधार की जरूरत है। अब सुल्तान अजलान शाह कप में भारत के पांचवें स्थान पर रहने से थोड़ी निराशा हुई है। सही है कि टीम में सीनियर खिलाड़ियों के साथ युवा खिलाड़ियों को भेजा गया था। लेकिन इनकी आड़ में खराब प्रदर्शन से बचना सही नहीं होगा। किसी टीम की सफलता के लिए उसकी सप्लाई लाइन अच्छा होना जरूरी होता है। इन युवाओं से ही जरूरत पड़ने पर सीनियर टीम के खिलाड़ियों को बदला जाता है। फिर भी टीम के प्रदर्शन को सही नहीं ठहराया जा सकता है।भारतीय टीम ने राउंड रोबिन लीग इंग्लैंड से 1-1 से ड्रा खेलने के दौरान तमाम पेनल्टी कार्नरों को बर्बाद किया। आयरलैंड के खिलाफ हार ने टीम की क्षमता की कलई खोल दी। हमने इन दोनों मैचों में बेहतर प्रदर्शन किया होता तो फाइनल खेल सकते थे। भारतीय हॉकी के लिए साल 2018 महत्वपूर्ण है। इस साल कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियाई खेल, चैंपियंस ट्रॉफी और विश्व कप का आयोजन होना है। टीम ने इस टूर्नामेंट अच्छा प्रदर्शन किया होता तो आने वाले टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती। असल में पिछले कुछ सालों में हो यह रहा है कि भारतीय टीम अच्छे परिणामों से उम्मीद बंधाने के बाद साधारण टीमों से हारकर नाउम्मीद कर देती है। पिछले साल के आखिर में भारत ने भुवनेश्वर में विश्व हॉकी लीग फाइनल्स में कांस्य पदक जीतने के दौरान पहले क्वार्टरफाइनल में रियो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और विश्व में तीसरी रैंकिंग की टीम बेल्जियम को हराया और फिर जर्मनी को हराकर कांस्य पदक जीता। पर इन उम्मीदों को तोड़ने के लिए आयरलैंड के हाथों हार पर्याप्त है। इस टूर्नामेंट में भारत ने पहले ही मैच में ओलंपिक चैंपियन अर्जेंटीना को फतह कर लिया होता तो टीम का मनोबल काफी ऊंचा हो सकता था। हम इस बात को अच्छे से जानते हैं कि विश्व हॉकी में भारतीय पताका फहराने के लिए हमें ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, हॉलैंड जैसी दिग्गज टीमों से जीतना सीखना होगा। विश्व की दिग्गज टीमों के खिलाफ मन पर रहने वाले मनोवैज्ञानिक दवाब से निकलना होगा। अक्सर यह कमजोरी मजबूत टीमों के खिलाफ हार का कारण बन जाती है।भारत का विश्व कप का ग्रुप आसान होना अच्छी खबर है। भारत को ओलंपिक रजत पदक विजेता बेल्जियम, कनाडा और दक्षिण अफ्रीका के साथ ग्रुप सी में रखा गया है। इस चैंपियनशिप के फार्मेट के हिसाब से चारों ग्रुप की टॉप टीमें सीधे क्वार्टरफाइनल में स्थान बनाएंगी। भारत ने पिछले कुछ समय में बेल्जियम पर दो बार विजय प्राप्त की है। इससे भारत के क्वार्टरफाइनल में पहुंचने में शायद ही कोई दिक्कत हो। पर आगे की राह पर चलने के लिए दिग्गज टीमों को जीतना तो सीखना ही पड़ेगा। यह जरूर है कि भारत विश्व कप में पोडियम पर चढ़ सका तो टीम के मनोबल में एकदम से इजाफा हो जाएगा। लेकिन विश्व कप से पहले टीम को कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियाई खेल और चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेना है और इन टूर्नामेंटों में टीम का प्रदर्शन बहुत मायने रखने वाला होगा। शोर्ड मारिन को चाहिए कि वह अब प्रयोग करना बंद करके एक मजबूत टीम पर भरोसा करना शुरू करें। मौजूदा टीम की पेनल्टी कार्नरों को गोल में बदलने की क्षमता में सुधार करने के अलावा एकजुटता के साथ हमले बोलने और आखिरी समय में लड़खड़ाहट दिखाने से बचना सीखना जरूरी है। कोच ऐसा कर सके तो वह टीम की स्थिति बदलने के साथ अपना सम्मान भी बढ़ा सकेंगे अन्यथा साल की समाप्ति पर उनका नाम भी हटाए कोचों की सूची में शामिल हो सकता है।

जीत का सिलसिला जारी रखेगी टीम इंडिया, अब बांग्लादेश से होगी भिड़ंत

कोलंबो (एजेंसी)।

टीम निदाहास ट्राफी त्रिकोणीय टी20 क्रिकेट श्रृंखला में कल बांग्लादेश के खिलाफ उतरेगी तो उसका इरादा 'अगर मगर' की तमाम संभावनाओं को खत्म करके जीत के साथ फाइनल में जगह बनाने का होगा। पहले मैच में श्रीलंका से मिली अप्रत्याशित हार के बाद भारत अपने आखिरी लीग मैच में बांग्लादेश के खिलाफ प्रयोग से बचना चाहेगा।

श्रीलंका के खिलाफ रिकार्ड 215 रन के लक्ष्य का पीछा करके जीत दर्ज करने से बांग्लादेश के हौसले बुलंद है । अब वह भारत को हराकर फाइनल में प्रवेश का दावा पुख्ता करना चाहेगा। भारत हारता भी है तो उसके रास्ते बंद नहीं होंगे लेकिन ऐसे में उसे बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच के नतीजे पर निर्भर रहना होगा । नेट रनरेट भी ऐसे में मायने रखेगा।

पिछले दो मैचों में लगातार दो जीत के बाद भारत का रनरेट भी प्लस 0-21 है। भारत के लिये यह टूर्नामेंट अनुभवी खिलाड़ियों की गैर मौजूदगी में युवाओं को मौका देने का जरिया था लेकिन भारतीय क्रिकेटप्रेमियों की अपेक्षाओं को ध्यान में रखकर वे टीम चयन में ज्यादा प्रयोग नहीं कर सकते । ऐसे में दीपक हुड्डा, मोहम्मद सिराज, अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ियों को भेजने के कोई मायने नहीं रह जायेंगे जो एक भी मैच नहीं खेल सके।

भारत के लिये सबसे बड़ी चिंता कप्तान रोहित शर्मा का खराब फार्म है ।लंबे समय से खराब फार्म में चल रहे रोहित को एक बड़ी पारी का इंतजार है। सुरेश शर्मा को अच्छी शुरूआत को बड़ी पारी में बदलना होगा । दिनेश कार्तिक ने 25 गेंद में 39 रन बनाये जिससे रिषभ पंत को अब बेंच पर ही बैठना होगा। यह देखना होगा कि क्या रोहित पारी की शुरूआत के लिये केएल राहुल को भेजकर खुद चौथे नंबर पर उतरते हैं। आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिये वह इसी क्रम पर खेलते आये हैं।

इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों से ज्यादा चुनौती गेंदबाजों के सामने होगी जिन्हें बांग्लादेशी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा। भारत ने उन्हें 139 रन पर रोक दिया था लेकिन अगले मैच में तामिम इकबाल, लिटन दास, मुशफिकर रहीम ने श्रीलंकाई गेंदबाजों की बखिया उधेड़ दी। गेंदबाजी में आईपीएल के सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ी जयदेव उनादकट (11-5 करोड़ रूपये) तीनों मैचों में महंगे साबित हुए। शरदूल ठाकुर ने दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है। आफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है।

रोजर फेडरर ने फिलीप क्राजिनोविच को हराकर चौथे दौर में पहुंचे

इंडियन वेल्स। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी रोजर फेडरर ने छठे इंडियन वेल्स मास्टर्स खिताब की ओर कदम बढाते हुए फिलीप क्राजिनोविच को 6 . 2, 6 . 1 से हराकर चौथे दौर में प्रवेश का लिया। उम्र को धता बताते हुए 36 बरस के फेडरर ने सिर्फ 58 मिनट में सर्बियाई प्रतिद्वंद्वी को हराया। अब उनका सामना जेरेमी चार्डी से होगा जिन्होंने फ्रांस के एड्रियन मानारिनो को 7.5, 4.6, 6.1 से मात दी। अन्य मुकाबलों में अमेरिका के टेलर फिट्ज ने स्पेन के फर्नांडो वर्डास्को को 4 . 6, 6 . 2, 7 . 6 से हराया । क्रोएशिया के बोरना कोरिच ने राबर्टो बातिस्ता को 6 . 1, 6 . 3 से मात दी।

अमेरिकी ओपन चैम्पियन स्टीफेंस तीसरे दौर में हारी

इंडियन वेल्स। मौजूदा अमेरिकी ओपन चैम्पियन स्लोएने स्टीफेंस यहां इंडियन वेल्स मास्टर्स के तीसरे दौर में दुनिया की 19वें नंबर की खिलाड़ी डारिया कासात्किना से हारकर बाहर हो गई। गैर वरीय स्टीफेंस ने पिछले साल सितंबर में अमेरिका की ही मेडिसन कीस को 6 . 3, 6 . 0 से हराकर अमेरिकी ओपन जीता था। उसने यहां विक्टोरिया अजारेंका को सीधे सेटों में 6 . 1, 7 . 5 से हराया था।

वीनस ने छोटी बहन सेरेना को किया बाहर

इंडियन वेल्स। अमेरिका की वीनस विलियम्स ने पेशेवर टेनिस में वापसी के लिये प्रयासरत अपनी छोटी बहन और 23 बार की ग्रैंड स्लेम चैंपियन सेरेना को यहां बीएनपी परिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर से बाहर कर दिया। वीनस ने सेरेना को लगातार सेटों में 6-3 6-4 से पराजित किया। बच्ची के जन्म के करीब एक वर्ष बाद वापसी कर रहीं सेरेना ने हालांकि दूसरे सेट में 2-5 से पिछड़ने के बाद अच्छा संघर्ष किया और मैच अंक भी बचाया लेकिन आखिरी गेमों में गलतियां कर बैठीं। अपनी छोटी बहन को हराने के बाद वीनस ने कहा कि वह कभी भी सेरेना के 23 ग्रैंड स्लेम के रिकार्ड के बारे में नहीं सोचती हैं। उन्होंने कहा मैं मानती हूं कि जब तक पूरी तरह खत्म न हो वह खत्म नहीं माना जाता। वह वापसी करती रहती हैं और मैं आज के मैच में भाग्यशाली रही क्योंकि मैंने पिछले एक वर्ष में उनसे अधिक मैच खेले हैं। वर्ष 2017 में अच्छे प्रदर्शन की बदौलत विश्व में आठवीं रैंकिंग पर पहुंच गयीं वीनस ने मैच में छह एस लगाये और चार बार सेरेना की सर्विस तोड़ी। इसके अलावा अन्य मैचों में आस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन कैरोलीन वोज्नियाकी ने अपनी वापिस नंबर वन बनने की उम्मीदों को बरकरार रखते हुये आलियकसांद्रा सांसोविच को तीसरे दौर में 6-4 2-6 6-3 से कड़े संघर्ष में मात दी। डेनमार्क की 27 वर्षीय खिलाड़ी के लिये नंबर वन बनने के लिये यह टूर्नामेंट जीतना जरूरी है या दुआ करनी होगी कि शीर्ष वरीय सिमोना हालेप फाइनल तक न पहुंचे। वोज्नियाकी का अगला मैच रूस की डारिया कात्किना से होगा जिन्होंने यूएस ओपन चैंपियन स्लोएन स्टीफंस को 6-4 6-3 से चौंकाया। स्टीफंस गत वर्ष ग्रैंड स्लेम जीतने के बाद से खराब खेल रही हैं और इस वर्ष किसी टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल तक नहीं पहुंची हैं। चौथी सीड एलीना स्वीतोलिना को अन्य मैच में कार्ला सुआरेज नवारो ने 7-5 6-3 से हराया।-

सरदार, रमनदीप अलग-अलग कारणों से टीम से बाहर : मारिन

बेंगलूरू। इंडियन हॉकी टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा कि अनुभवी सरदार सिंह को कड़ी प्रतिस्पर्धा और रमनदीप सिंह को गत कुछ समय में लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने की वजह से राष्ट्रमंडल खेल के लिए टीम से बाहर किया गया। मारिन ने टीम के ऐलान के बाद प्रेस ट्रस्ट से कहा कि सरदार को सेंटर पोजिशन के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा की वजह से टीम से बाहर किया गया। वहीं रमनदीप लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने की वजह से जगह नहीं बना सके। कोच ने कहा कि मनप्रीत सिंह को कप्तानी और चिंगलेनसना सिंह को उपकप्तानी सौंपी गई है। यह खिलाड़ी किसी भी पोजिशन पर खेल सकते हैं और इनमें गोल करने का दम है। उन्होंने स्वीकार किया कि विश्व चैम्पियन आस्ट्रेलिया को हराना कड़ी चुनौती होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय खिलाडियों को जीतने के लिए अनुशासित प्रदर्शन करना होगा। मारिन ने कहा कि भारत को टूर्नामेंट में लय बनाने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच पर फोकस करना होगा। कप्तान मनप्रीत से उम्मीदों के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि वह नेतृत्व करने वाले समूह का हिस्सा है जिसमें पूर्व कप्तान और गोलकीपर पी आर श्रीजेश भी शामिल है। मनप्रीत ने कहा कि भारत को एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

पंजाब को चैंपियन बनाना है लक्ष्य : अश्विन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

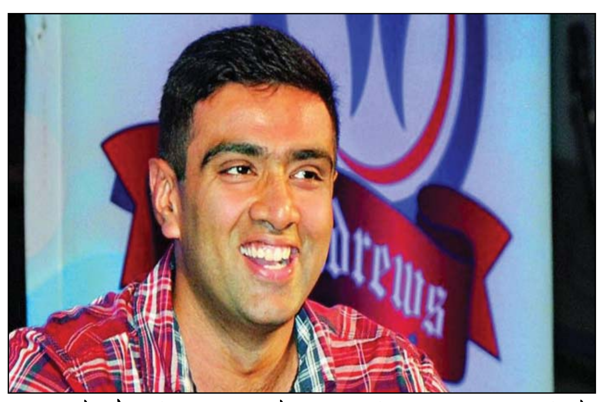

भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन पहली बार जब तमिलनाडु के कप्तान बने थे तो उनकी उम्र मात्र 20 साल थी और उन्होंने अपनी टीम को विजय हजारे चैंपियन बनाया था। आज 31 साल के अश्विन आईपीएल में पहली बार किंग्स इलेवन पंजाब टीम की कप्तानी संभाल रहे हैं और उनका एकमात्र लक्ष्य अपनी टीम को चैंपियन बनाना है।

अश्विन ने अपनी टीम किंग्स इलेवन पंजाब के मंगलवार को यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में टीम के मेंटर और निदेशक क्रिकेट संचालन वीरेंद्र सहवाग की मौजूदगी में कहा 2007 में जब मैंने तमिलनाडु की कप्तानी संभाली थी तो मैं मात्र 20 साल का था। मैंने अपनी टीम को तब विजय हजारे चैंपियन बनाया था। यहां मैं आईपीएल टीम का कप्तान हूं। मैंने कभी टवंटी 20 टीम की कप्तानी नहीं की है और मुझे पूरी उम्मीद है कि हम इस बार चैंपियन बनेंगे।

आठ साल तक चेन्नई किंग्स में महेंद्र भसह धोनी की कप्तानी में खेलने वाले अश्विन ने अपनी नयी जिम्मेवारी पर कहा मैं बहुत सारे कप्तानों के साथ खेला हूं। वीरू पाजी और धोनी की कप्तानी में भी खेला हूं। मैं इन सभी कप्तानों के गुण लेकर आईपीएल में आगे बढूंगा।

ऑफ स्पिनर ने कहा कप्तानी के साथ जिम्मेदारी भी आती है और जब जिम्मेदारी आती है तो आप दबाव से निपटना सीख जाते हैं। हमारे पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं और मेरी पूरी कोशिश रहेगी कि अगले दो-तीन साल में पंजाब को हम एक मजबूत टीम बना दें।

चेन्नई के अश्विन से उत्तर भारत के प्रशंसकों को जोडने के सवाल पर अश्विन ने हंसते हुये कहा मेरी पहली चैलेंजर सीरीज में मेरे कप्तान उत्तर के युवराज सिंह थे। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। मैं वीरू की कप्तानी में भी खेला। इन दोनों जबरदस्त खिलाड़ियों के साथ जो कुछ देखने को मिला उसी की बदौलत मैं आज यहां हूं।

आईपीएल को भारत की सीमित ओवरों की टीम में वापसी की तरह देखे जाने के बारे में अश्विन ने स्पष्ट शब्दों में कहा मैं आईपीएल को सीमित ओवरों में वापसी के तौर पर नहीं देख रहा हूं। मेरा लक्ष्य सिर्फ अच्छा प्रदर्शन करना है। अपने खिलाड़यों से अच्छा प्रदर्शन करवाना है और टीम को चैंपियन बनाना है।

अश्विन पिछले जुलाई से भारत की वनडे और ट्वंटी 20 टीमों से बाहर हैं और सिर्फ टेस्ट मैच खेल रहे हैं। अश्विन को उनकी पुरानी टीम चेन्नई ने आईपीएल नीलामी में नहीं खरीदा था। अश्विन को पंजाब की टीम ने आईपीएल नीलामी में 7.6 करोड़ रूपये में खरीदा था। टीम के मेंटर सहवाग ने ही अश्विन को कप्तान बनाने का फैसला किया था जबकि टीम ने युवराज जैसे पुराने धुरंधर खिलाड़ी मौजूद हैं।- एजेंसी

अमोल मजूमदार बने राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजी कोच

जयपुर। घरेलू क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज रहे अमोल मजूमदार को राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के 2018 सत्र के लिए अपना बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया है। अमोल मजूमदार टीम के प्रमुख कोच जुबिन भरुचा और गेंदबाजी कोच सैराज बहुतुले के साथ जयपुर में टीम के शिविर को देखेंगे जो मंगलवार से शुरू हो गया है। यह शिविर फिलहाल भारतीय खिलाडियों के लिए है जो अगले सत्र के लिए खुद को तैयार करेंगे। दो दशक के अपने शानदार करियर में मजूमदार ने अनेक रिकॉर्ड तोड़े और कई शानदार परियां खेलीं। उन्होंने अपना प्रथम श्रेणी पदार्पण मुंबई के लिए किया था। उन्होंने हरियाणा के खिलाफ प्री क्वार्टरफाइनल में 260 रन बनाकर प्रथम श्रेणी पदार्पण में सर्वाधिक स्कोर का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। मजूमदार ने 171 प्रथम श्रेणी मैचों में 48.13 के औसत, 30 शतकों और 60 अर्धशतकों की मदद से 11,167 रन बनाये। उन्होंने अपनी कप्तानी में मुंबई को रणजी चैंपियन भी बनाया। उनका दुर्भाग्य रहा कि वह कभी राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं बना पाए।

इस भारतीय गेंदबाज को पसंद है चुनौतियों का सामना करना

कोलंबो। श्रीलंका के खिलाफ चार विकेट हासिल कर मैच ऑफ द मैच रहे भारतीय तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर को चुनौतियों का सामना करना पसंद है। ठाकुर के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने यहां निदाहास ट्रॉफी टी-20 त्रिकोणीय शृंखला के मैच में सोमवार को श्रीलंका को छह विकेट से हराया। ठाकुर को बखूबी पता है कि सीमित ओवरों की टीम में उन्हें आसानी से मौके नहीं मिलेंगे और यही वजह है कि भुवनेश्वर कुमार और जसप्रीत बुमराह की गैर मौजूदगी में वह तीसरे तेज गेंदबाज की भूमिका पूरी शिद्दत से निभाने को तत्पर हैं। बैकअप तेज गेंदबाज होने की चुनौतियों के बारे में पूछने पर ठाकुर ने कहा कि मैंने पहले भी एक बात कही है कि मुझे चुनौतियों का सामना करना पसंद है। मैं इसे चुनौती की तरह ले रहा हूं। उन्होंने कहा कि टीम में अगर बाकी सीनियर गेंदबाज नहीं है तो मुझे अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। मैं पहले भी रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए जहीर खान, धवल कुलकर्णी और अजित आगरकर की जगह खेल चुका हूं ।

आईसीसी रैंकिंग : कगीसो रबाडा टेस्ट में बने विश्व के नंबर एक गेंदबाज

दुबई (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका के स्टार गेंदबाज कगीसो रबाडा को भले ही अपने गलत रवैये से दो टेस्ट मैचों का प्रतिबंध झेलना पड़ रहा हो, लेकिन उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में 11 विकेट लेने के साथ ही आईसीसी की टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। आईसीसी की ओर से मंगलवार को जारी ताजा रैंकिंग में रबाडा ने इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया है। रबाडा के 902 अंक हैं।

इस रैंकिंग में भारत के रवींद्र जड़ेजा तीसरे स्थान पर बने हुए हैं और स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन दो स्थान ऊपर उठते हुए चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज रबाडा आईसीसी रैंकिंग में 900 अंकों से आगे पहुंचने वाले 23वें गेंदबाज बन गए हैं और दक्षिण अफ्रीका के चौथे खिलाड़ी हैं। इससे पहले, वर्नोर्न फिलेंडर (912- साल 2013), शॉन पोलोक (909-साल 1999) और डेल स्टेन (909-साल 2014) ने 900 अंकों का आंकड़ा पार किया है।

आईसीसी के टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने पांच स्थानों की छलांग लगाते हुए सातवां स्थान हासिल किया। उन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में नाबाद 126 और दूसरी पारी में 28 रन बनाए। आस्ट्रेलिया के बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 75 रन बनाकर आईसीसी के टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में पांच स्थान ऊपर उठते हुए 16वां स्थान हासिल किया है।

ऑल इंग्लैंड खिताब पर हैं सिंधू और श्रीकांत की नजरें

बर्मिंघम (एजेंसी)।

भारतीय बैडमिंटन सितारे पी वी सिंधू और किदाम्बी श्रीकांत कल से यहां शुरू हो रही आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में उतरेंगे तो उनका इरादा उस खिताब को पहली बार अपने नाम करने का होगा जो 17 साल पहले उनके गुरू पुलेला गोपीचंद ने जीता था। आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप जीतना किसी भी बैडमिंटन खिलाड़ी का सपना होता है। भारत से अभी तक सिर्फ प्रकाश पादुकोण (1980) और गोपीचंद (2001) यह प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम कर सके हैं।

सिंधू और श्रीकांत को पहले दौर में आसान प्रतिद्वंद्वी मिले हैं लेकिन इस चैम्पियनशिप का फाइनल खेल चुकी साइना नेहवाल को पहले दौर में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी और गत चैम्पियन चीनी ताइपै की तेइ जू यिंग से खेलना है। तेइ जू का साइना के खिलाफ रिकार्ड 9-5 का है। पिछले सात मुकाबलों में साइना उससे हार चुकी है और इस साल की शुरूआत में इंडोनेशिया मास्टर्स फाइनल में मिली हार इसमें शामिल है।

चौथी वरीयता प्राप्त सिंधू पहले दौर में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से खेलेगी लेकिन अगले दौर में इंडिया ओपन विजेता बेवेन झांग से सामना हो सकता है। श्रीकांत को पहले दौर में फ्रांस के ब्राइस लीवरदेज के रूप में आसान चुनौती मिली है। गोपीचंद के मार्गदर्शन में भारतीय बैडमिंटन का यह सुनहरा दौर है और भारत के पास कई विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं ।इनमें लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना 2015 में खिताब के करीब पहुंची लेकिन फाइनल में कैरोलिना मारिन से हार गई थी।

ओलंपिक रजत पदक विजेता सिंधू पिछले साल क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी। पुरूष वर्ग में दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने 2017 में चार सुपर सीरिज खिताब जीते और वह आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में भी खिताब के दावेदारों में से होंगे। पिछले साल वह पहले दौर से बाहर हो गए थे लेकिन इस बार उस नाकामी की भरपाई करने का इरादा होगा।

पहले दौर के कठिन मुकाबले के बारे में पूछने पर साइना ने कहा, 'तेइ झू ने पिछले साल कई टूर्नामेंट जीते तो ऐसा नहीं है कि सिर्फ भारतीय ही उससे हार रहे हैं । वह इस समय सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी है लेकिन ऐसा भी नहीं है कि हम उसे हरा नहीं सकते' वहीं सिंधू ने कहा, 'मैने छह सप्ताह अभ्यास किया है और मुझे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है । इस साल कई टूर्नामेंट है और मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है।'

श्रीकांत ने कहा, 'आल इंग्लैंड सबसे प्रतिष्ठित बैडमिंटन टूर्नामेंटों में से एक है जिसका 100 साल का इतिहास है। प्रकाश सर और गोपीचंद सर ने यहां अच्छा प्रदर्शन किया है जो हमारे लिये प्रेरणा का काम करेगा । इस तरह के खिताब जीतकर ही खिलाड़ी महान कहलाते हैं।' सिंगापुर ओपन चैम्पियन बी साइ प्रणीत और दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी एच एस प्रणय उलटफेर करने में माहिर है । प्रणीत का सामना दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी कोरिया के सोन वान हो से होगा जिसे वह आज तक नहीं हरा सका है । वहीं प्रणय की टक्कर आठवीं वरीयता प्राप्त चीनी ताइपै के चोउ तियेन चेन से होगी।

युगल में इंडोनेशिया ओपन सेमीफाइनल तक पहुंचे चिराग शेट्टी और सात्विकराज रांकीरेड्डी का सामना जापान के ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी से होगा। मनु अत्री और बी सुमीत रेड्डी पहले दौर में मार्कस एलिस और क्रिस लैंगरिज से खेलेंगे। महिला वर्ग में अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की टक्कर दूसरी वरीयता प्राप्त जापान की मिसकी मत्सुमो और अयाका ताकाहाशी से होगी। मिश्रित युगल में प्रणाव जेरी चोपड़ा और सिक्की का सामना जर्मनी के मार्विन एमिल एस और लिंडा एफलेर से होगा।

लिंबायत में कुपोषित बालकों के उपचारार्थ कैंप

सूरत। शहर के लिंबा.त क्षेत्र में सूरत मनपा संचालित आंगनवाड़ी नं. 160 अंबिका मोहल्ला, रतन चौक में मंगलवार को सुबह 10.00 बजे गंभीर कुपोसित (एम.ए.एम) बालकों के उपचारार्थ रेटी टू यूज सप्लीमेंटरी फूड (आर.यू.एस.एफ) देने के लिए कैंप का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन मनपा मेयर अस्मिता शिरोया, मनपा आयुक्त एम.थेन्नारसन, स्वास्थ्य समिति के चेयरमैन अनिल बिस्किटवाला, सांस्कृतिक समिति चेयरमैन रूपाबेन शाह, डि.कमिश्नर डॉ.हेमंत देसाई व मनपाके अन्य पदाधिकारियों एवं पार्षदों की उपस्थिति में किया गया।

यूसीडी विभाग के पिंक ऑटो कार्यक्रम के तहत महिलाओं को रिक्शा वितरण

सूरत। शहर के लिंबायत क्षेत्र के रतन चौक में मंगलवार को सूरत मनपा यूसीडी विभाग के पिंक ऑटो रिक्शा कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं को रिक शा वतरण किया गया।

इस कार्यक्रम में पहले क्रम में मनापा मेयर व अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में 16 महिलाओं को पिंक ऑटो रिक शा वितरित की गई। ताकि वे स्वनिर्भर होकर अपना रोजगार कर सकें।

पति से नाराज होकर एसिड पीकर की आत्महत्या

सूरत। शहर के अमरोली कोसाड आवास में रहने वाली एक महिला ने मायके जाने के लिए पति से कहासुनी होने पर नाराज होकर एसीड पी ली लेने से ुसे इलाज के लिए प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया। जहां पर उसकी मौत हो गई घटना के संदर्भ में प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरोली के कोसाड आवास बिल्डिंग नं. 303, ए-20 में रहने वाले विजय वाघेला की पत्नी नयनाबेन ने अपने मायके जाने के लिए कह रह रही थी। इस बात को लेकर दंपती में झगड़ा हो गया था। जिससे नाराज होकर नयनाबेन 934 वर्ष) ने रविवार को एसिड पी ली थीं। जिनको इलाज के लिए प्राइवेट अस्पताल बंसारी में ले जाया गया। जहां पर इलाज के दौरान गत रोज मोमवार को शाम के समय नयनाबेन की मौत हो गई। घटना के संदर्भ में अमरोली पुलिस आत्महत्या का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

नवजात बालक को मृत समझकर दफनाने से पहले108 की टीम ने बचाई

108 एम्बुलेंस की ईएमटी और पायलट की सूझबूझ से बालक की जान बची

सूरत। शहर की 108 की टीम ने उस कहावत को सच साबित कर दिया कि- जाको राखे सांइया मार सके न कोय। इस तरह का एक मामला ओलपाड के नरथाण गांव में मजूरी करने वाली महिला ने बालक जन्म दिया। एक दो दिन तक नवजात बालक में किसी तरह की एक्टिविटी या हलचल न दिखने पर परिजनों ने बाल को मृत समझकर उसे दफनाने की तैयारी कर दी।

इस दौरान 108 को फोन करने पर इएमटी और पायलट द्वारा उपयोग की गई सूझबूझ से नवजात बालक में फिर से प्राण जगने की जानकारी सामने आई है। रवीना मेरू भील (20 वर्ष) ने प्रथम प्रसव में बालक को जन्म दी थी। जबकि जन्म के साथ ही बलक में जीवन का कोई लक्षण नहीं दिखाई नहीं दे रहा था।

रविवार को जन्मे बालक में एक दो दिन तक रोने या अनय किसी तरह की गतिविधि न दिखाई देने पर बालक के जन्म की खुशी गम में बदल गई। सोमवार को शाम के समय परिजन नवजात बालक को दफन विधि करने की तैयारी में लग गए थे। इस बीच 108 की टीम स्थल पर पहुंच कर इलाज शुरू करते हुए नवजात बालक का प्राण बचाने में सफल हो गई।

राज्यसभा चुनाव : भाजपा-कांग्रेस उम्मीदवारों के नामांकन स्वीकार

अहमदाबाद। गुजरात से राज्यसभा की 4 सीटों के लिए रोमांचक मुकाबले के बीच भाजपा के 3 और कांग्रेस के 2 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र स्वीकार किए जाने के बाद पर्चों की मान्यता को लेकर जारी आशंका खत्म हो गई हैं। भाजपा के तीनों उम्मीदवार पुरुषोत्तमभाई रूपाला, मनसुखभाई मांडविया और किरीटसिंह राणा का नामांकन पत्र स्वीकार कर लिया गया है। वहीं कांग्रेस के दो उम्मीदवार नारणभाई राठवा और अमीबेन याज्ञिक पर्चा भी राजनीतिक ड्रामे के बाद मान्य रखा गया है। इसके अलावा निर्दलीय उम्मीदवार पीके वालेरा के नामांकन पत्र को भी स्वीकार कर लिया गया है। जबकि अन्य एक निर्दलीय उम्मीदवार परेश मूलानी का पर्चा खारिज कर दिया गया। आज नामांकन पत्र मंजूर किए जाने के बाद नारण राठवा ने कहा कि भाजपा का आदिवासी विरोधी रुख जाहिर हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक आदिवासी को राज्यसभा में जाने से रोकने का भाजपा की ओर से प्रयास किया गया है। साथ ही यह भी कहा कि आधारहीन आरोप लगाकर नामांकन पत्र को स्वीकार करने में विलंब कराने का प्रयास किया गया। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता शक्तिसिंह गोहिल ने भी भाजपा पर प्रहार करते हुए कहा कि आखिरकार सत्य की जीत हुई है। राज्यसभा के चुनाव में असंवैधानिक खेल खेलनेवाली भाजपा को करारा झटका लगा है। कांग्रेस उम्मीदवार नारण राठवा के नामांकन पत्र में कोई त्रुटि नहीं होने के बावजूद घंटों तक दलीलें करनी पड़ी। यह खुशी की बात है कांग्रेस से राज्यसभा उम्मीदवार नारण राठवा का पर्चा स्वीकार कर लिया गया है।

गढ़पुर टाउनशिप में आयुर्वेद कैंप, 175 मरीज हुए लाभान्वित

सूरत। जिला के कामरेज तहसील के गढ़पुर टाउनशिप में आस्ता आयुर्वेद दवाखाना द्वारा सर्वरोग निदान हेतु एक कैंप का आयोजन किया गया। जहां मेडिकल ऑफिसर डॉ.घनश्याम के नेतृत्व में 175 मरीजों की जांच कर उन्हें सलाह सूचन व उपचार देकर लाभान्वित किया गया।

गोडादरा ब्रिज पर वाहन से कुचलकर बाइक सवार युवक की मौत

सूरत। गोडदरा आसपास मंदिर के पास रहने वाले युवक की बाइक को गोडादरा डिंडोली ब्रिज पर अज्ञात वाहन चालक द्वारा चपेट में ले लेने से उसकी स्थल पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार डिंडोली क्षेत्र के गोडादरा आसपास मंदिर के समीप परिओम नगर सोसाइटी घर नं. 86 में रहने वाले नवीन सुरेशभाई चुनारा (28 वर्ष) सोमवार को दोपहर के समय डिंडोली गोडादरा अवर ब्रिज से अपनी बाइक लेकर जा रहे थे। गोडदरा आसपास मंदिर के पास रहने वाले युवक की बाइक को गोडादरा डिंडोली ब्रिज पर अज्ञात वाहन चालक द्वारा चपेट में ले लेने से उसकी स्थल पर ही मौत हो गई। उसी समय एक अज्ञात वाहन चालक ने नवीन को टक्कर मारकर फरार हो गया। गंभीर चोट लगने से नवीन की स्थल पर ही मौत हो गई। डिंडोली पुलिस अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू की है।

70.77 लाख का माल लेकर पार्टी का पलायन

सूरत। शहर के अमरोली जूना कोसाड रोड परर रहने वाले एक व्यापारी के पास से पूणा सिमाडा का एक व्यापारी विश्वास में लेने के बाद करीब 70.77 लाख रुपए का माल लेकर दुकान बंद करके फरार हो जाने की रिपोर्ट सरथाणा पुलिस में दर्ज कराई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मूलत: देवडिया कालावड, जामनगर के तथा जूना कोसाड अमरोली के लोटस रेसीडेंसी घर नं. 204 में रहने वाले व्यापारी दीपकभाई केशव रोला ने पूणा सीमाडा बीआरटीएस रोड योगी चौक में श्रीजी मार्केटिंग के ग्राउन्ड फ्लोर में किराए की दुकान रखने वाले जलदीप दिनेशभाई थडेश्वर अलग- अल- किस्म का दीपक से खरीदी करके 5,54,514 रुपए का चेक दिया। इसके बाद आरोपी जलदीप ने करीब 70,77,243 रुपए का माल लेने केबाद दुकान बंद करके फरार हो गया।

जेसीआई की ओर से नि:शुल्क सर्वरोग निदान कैंप

सूरत। शहर के मोराभागल स्थित गुरुकृपा विद्यालय में जे.सी.आई. सूरत मेट्रो द्वारा नि:शुल्क सर्वरोग निदान कैंप का आयोजन किया गया। निदान कैंप में होमियोपैथिक पद्धति से हृदयरोग, ब्लडप्रेशर, डायाबिटीज टेस्ट, बी.एम.आई., ई.जी.सी. रेंडम ब्लडशुगर चेकअप जैसे विविध रोगों का उपचार किया गया। इस कैंप में तकरीबन 1500 मरीजों की जांच कर उन्हें उपचार दिया गया। इसके साथ ही 250 नेत्र रोगियों की जांच कर उन्हें नि:शुल्क चश मा भी वितरित किया गया।

ट्रेन पकड़ने के लिए लाईन में लगा वोटर

सूरत। उधना दानापुर ट्रेन में टिकट लेने में इतनी भीड़भाड़ होने से कई लोगों की गाड़ीया छुट जाती हैं। लेकिन आम आदमी को कोई फरक नहीं पड़ता और अगर पड़ता भी हो तो किसी को कोई फरक नही पड़ा क्योंकि आम आदमी को पैदा ही लाईन में लगने के लिए हुआ है। जैसे नेता वोट पाने के लिए वोटर के घर लाइन लगा कर खड़े रहते है और इलेक्शन खत्म होने के बाद वोटर को ही लाइन लगानी पड़ती है। सूरत में कमाई के लिए यूपी, बिहार से आए लोगों को सिर्फ वोटर ही समझा जाता है जो इलेक्शन में वोट दे। लेकिन जब उसको कोई परेशानी हो तो उसकी परेशानीयों को सूनने वाला कोई नही है। इसका उदाहरण आप उधना स्टेशन पर जाकर दानापुर ट्रेन के लिए लगी लाईन देख सकते है।

सचीन विस्तार में बिल्डर्स सक्रिय, अवैध इमारते रातोंरात खड़ी कर देते बिल्डर

सूरत। सचीन विस्तार सुडा (शहेरी विकास सता मंडल) में होने के बावजूद कई अधिकारीयों सरपरसती होने के कारण किसी भी प्रकार की कार्यवाही सिर्फ पेपर पर ही कि जाती हैं, बिना किसी रोक टोक के सभी अवैध इमारतों पर किसी प्रकार की कार्यवाही नही कि जाती। बड़े पैमाने पर सचीन के आसपास में बड़ी -बड़ी ईमारतें बनाई जा रहे हैं, वह भी बिना किसी मंजूरी। लोगों का कहना है कि एक गरीब आदमी जब अपने सपनों का घर बनाने जाता है तो अधिकारी उसके यहा जाकर उसे हजारों कायदे कानून बताने लगते है। लेकिन जब कोई पैसे वाला बिल्डर गैर कायदेशर बांधकाम करता है तो वहीं अधिकारी उसके बांधकाम की देखरेख करते है। ताकि वह बिल्डर उस काम से लाखों कमा सके और कुछ हिस्सा उसे भी मिल सके।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com